डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

✻✻✻ विजयादशमी की बधाई ✻✻✻
आज विजयादशमी का पर्व समूचे अंचल में धूमधाम से मनाया जाएगा। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतिक इस पर्व की समस्त पाठको, शुभचिंतको को बधाई, शुभकामनाएं
संपादक

✻✻✻ अवकाश सूचना ✻✻✻
दशहरे के अवसर पर मंगलवार 24 अक्टूबर को दैनिक गुरु एक्सप्रेस कार्यालय का अवकाश रहेगा। इसलिए 25 अक्टूबर को गुरु एक्सप्रेस का प्रकाशन स्थगित रहेगा। गुरुवार 26 अक्टूबर को पुन: मिलेंगे।

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 17 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 24 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रात: 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

कन्या भोज

शारदीय नवरात्रि के समापन महारात्रि के अवसर पर विभिन्न गरबा मण्डलों में गरबें के साथ ही कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान कई गरबा मण्डलों ने गरबी का विसर्जन किया व अनेक गरबा मण्डलों द्वारा आज दशहरे के अवसर पर गरबी का विसर्जन किया जाएगा।

जोकचंद समर्थकों ने चंदा इकट्ठा कर जमा कराई जमानत राशि

पिपलियामंडी से बादरी, नारायणगढ़ होकर मल्हारगढ़ पहुंची नामांकन रैली

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस से बगावत कर कांग्रेस से ही श्यामलाल जोकचंद ने सोमवार को विधानसभा चुनाव के लिए मल्हारगढ विधानसभा से निर्दलीय नामांकन दाखिल किया। सुबह 11 बजे पिपलिया मंडी से श्यामलाल अपने समर्थकों के साथ रैली के साथ निकले। पिपलिया मंडी में पैदल रैली के बाद वाहन रैली गुडभेली, नारायणगढ होते हुए मल्हारगढ पहुंची। जहां श्यामलाल जोकचंद ने रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया।

मीडिया से बात करते हुए श्यामलाल ने कहा कि उन्हें अब भी विश्वास है कि कांग्रेस आलाकमान एक बार फिर निर्णय पर विचार करेगा और घोषित किए गए प्रत्याशी में बदलाव होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी बदलाव नहीं करती है तो इसके बाद उनका फैसला जनता करेगी। मल्हारगढ क्षेत्र की जनता उन्हें जो आदेश देगी, उसी के अनुरूप वे मैदान में उतरेंगे। बागी हुए श्यामलाल के साथ समर्थकों की भीड़ ने कांग्रेस की चिंता बढा दी है। नामांकन दाखिल करवाने के लिए श्यामलाल को समर्थकों ने चंदा देकर सहयोग किया। कुछ समर्थकों ने आनलॉइन बैंकिंग के जरिए एक-एक रुपया ट्रांसफर किया। वहीं सैंकड़ो समर्थकों ने नगद एक-एक रुपया देकर हौसला बढ़ाया। श्यामलाल जोकचंद समर्थकों द्वारा दिए गए चंदे की चिल्लर लेकर रिटर्निंग अधिकारी के पास नामांकन दाखिल करने पहुंचे। जहां उन्होंने अपना नामांकन पत्र जमा करवाया। श्यामलाल जोकचंद ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी के तहत ही अपना नामांकन पत्र जमा करवाया है। बी फॉर्म की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर है। पार्टी उन्हें बी फॉर्म नहीं देती है तो वे स्वत: ही निर्दलीय हो जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने मल्हारगढ से परशुराम सिसोदिया को प्रत्याशी बनाया है। प्रत्याशी चयन से नाराज श्यामलाल ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है। हालांकि बागी हुए श्यामलाल ने कहा कि पार्टी को उम्मीदवार तय करने में चूक हुई है। पार्टी इस पर दोबारा विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से उनकी बात हो रही है। पार्टी में पुनर्विचार के बाद टिकिट में बदलाव होने के संकेत है।

आचार संहिता : छह आदतन बदमाश जिलाबदर

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट दिलीप कुमार यादव ने म.प्र.राज्य लोक शांति और सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा अधिनियम के तहत जिले के 6 आदतन बदमाशो को जिला बदर किया है।

मिली जानकारी के अनुसार आदतन बदमाश महेन्द्रसिंह पिता कमलसिंह देवड़ा निवासी ग्राम बेहपुर, अर्जुन पिता रूपा बंजारा निवासी धनवाड़ा, जाफरखां पिता बुन्दूखां निवासी जयपुरा मंदसौर, दीपक पिता गोवर्धन बावरी निवासी आक्या फत्तु, तुफान पिता शिवलाल बंजारा निवासी हरिपुरा एवं दिलीप उर्फ दिनेश पिता लालसिंह बावरी निवासी रूपी जिला मंदसौर को जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने आदेशित किया है, कि ये जिला बदर अवधि में मंदसौर जिले की राजस्व सीमा के साथ ही नीमच, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा एवं शाजापुर जिले की राजस्व सीमा में बगैर अनुमति के प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

महानवमी पर गरोठ और मल्हारगढ़ में तीन नामांकन जमा हुए

गरोठ में भाजपा प्रत्याशी चंदरसिंह और मल्हारगढ़ में जोकचंद ने भरा निर्दलीय पर्चा

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दोनो प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा प्रत्याशियों की घोषणा के बाद जिले की चारों विधानसभाओं में नामांकन दाखिल करने का दौर शुरू हो गया है। नामांकन दाखिल के तीसरे दिन सोमवार को मल्हारगढ से एक और गरोठ विधानसभा से दो नामांकन पत्र जमा हुए। गरोठ से भाजपा प्रत्याशी चन्दर सिंह सिसौदिया पिता नाथू सिंह सिसौदिया ने अपना नामांकन पत्र गरोठ रिटर्निंग अधिकारी को जमा करवाया।

वहीं निर्दलीय प्रत्याशी रईस अहमद पिता सुबराती ने भी अपना नामांकन जमा किया। उल्लेखनीय है कि चन्दर सिंह सिसोदिया को भाजपा ने गरोठ विधानसभा से प्रत्याशी बनाया है। वहीं मल्हारगढ़ विधानसभा से कांग्रेस के बागी उम्मीदवार श्यामलाल जोकचंद ने अपना नामांकन दाखिल किया है। श्यामलाल ने कांग्रेस से नामांकन पत्र भरा है। हालांकि, कांग्रेस ने परशुराम सिसोदिया को प्रत्याशी बनाया है।

भोपाल में कन्या भोज के बहाने रतलाम की...

दो मासूम बच्चियों का अपहरण, बहलाकर ले गई महिला..!

भोपाल/रतलाम,23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र पीरगेट स्थित कर्फ्यू वाली माता के मंदिर के पास से एक महिला आठ और एक वर्ष की बालिका को अगवा कर ले गई। बच्चियों की मां को उसने कन्या भोज में ले जाने का झांसा दिया था। शनिवार सुबह हई इस वारदात से शहर में सनसनी है। अभी तक बालिकाओं के बारे में कोई सुराग नहीं लग सका है। सीसीटीवी फुटेज से आरोपी महिला का हुलिया पता चल गया है। पुलिस सरगर्मी से उसकी तलाश कर रही है।

मंदिर के पास थी लड़कियां- कोतवाली थाने के एसआइ रविंद्र कुमार चौकले ने बताया कि मुकेश आदिवासी कोहेफिजा थाने के पास बने ओवर ब्रिज के नीचे अस्थाई झोपड़ी बनाकर रहता है। मूलत: रतलाम का रहने के बारे मुकेश के परिवार में पत्नी लक्ष्मी के अलावा चार बच्चे काजल, संदीप, सोना और दीपावली हैं। रोजाना की तरह शनिवार सुबह भी मुकेश मजदूरी करने चला गया था। उसकी पत्नी बच्चों को साथ लेकर सुबह करीब नौ बजे पीरगेट स्थित कर्फ्यू वाली माता के मंदिर के पास आकर बैठ गई थी। यहां नवरात्र पर्व चलने के कारण लोग उन्हें खाना आदि दे देते हैं।

सप्तमी तिथि है गुड़िया को कुछ खिलाना चाहती हूं- सुबह 10:30 बजे लगभग 40 वर्ष की एक महिला लक्ष्मी के पास पहुंची। उसने बोला कि आज सप्तमी तिथि है गुड़िया का पास ही कुछ भोजन करना चाहती हूं। लक्ष्मी के सहमति जताने पर महिला आठ वर्षीय काजल और एक वर्ष की दीपावली को अपने साथ ले गई। जब काफी देर तक बच्चियां नहीं लौटीं तो लक्ष्मी को चिंता हुई। उसने पति को घटना की जानकारी दी। उन्होंने अपने स्तर पर तलाश की, जब कुछ भी पता नहीं चला तो शाम पांच बजे थाने में सूचना दी।

पुलिस ने सीसीटीवी के फुटेज खंगाले- जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाले। उससे पता चला कि मोती मस्जिद के पास से महिला बच्चियों के साथ ई रिक्शा में सवार हुई थी। इसके बाद रेतघाट पर रिक्शा से उतर गई थी। वारदात के कुछ देर पहले महिला एक युवती के साथ सड़क पर पैदल घटना स्थल के पास आती हुई दिखी है। अज्ञात महिला के खिलाफ अपहरण को केस दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। डीसीपी जोन-तीन, रियाज इकबाल ने बताया कि मासूम बच्चियों की तलाश में कोतवाली थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच सहित पांच थानों की पुलिस टीम को लगाया गया है।

दशहरा उत्सव पर यह रहेगी यातायात व्यस्था

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दशहरे के अवसर पर आज कॉलेज ग्राउंड में रावण दहन का आयोजन होगा। इस आयोजन को देखते हुए यातायात व्यस्था बदली गई है।

चार पहिया वाहन के लिए जैन कॉलेज परिसर, डाइट परिसर, कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम परिसर पर कार तथा अन्य वाहन पार्क कर सकेंगे। जबकि, दो पहिया वाहन के लिए- गर्ल्स कॉलेज वाहन पार्किंग, कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम परिसर में हो सकेगी। बड़े वाहन जैसे बस, लोडिंग वाहन आदि नया कलेक्ट्रेट मार्ग से बायपास तथा रामटेकरी से बायपास मार्ग पर डाइवर्ट किए जाएंगे। जैन कॉलेज से श्री कोल्ड चौराहे तक के मार्ग का उपयोग दशहरा उत्सव के अतिरिक्त आम आवाजाही में ना करें तथा किटियानी होकर आना-जाना करें। यातायात थाना पुलिस ने आग्रह किया है की रावण दहन देखने के लिए जहां तक संभव हो दो पहिया वाहन से आए, तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलने में सहयोग दें। यह व्यवस्था मंगलवार शाम 5 बजे से रावण दहन तक प्रभावी रहेगी।

भाजपा की दूसरी सूची में हाईकमान का ताप था, पांचवी प्रदेश के बर्फ में गल गई...

मंदसौर/उज्जैन, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जब से भाजपा का शीर्ष नेतृत्व गुजरात के भाजपाइयो ने कब्जाया है तब से संपूर्ण भाजपा की गतिविधियों में कड़वे और सख्त अनुशासन की खुशबू आ रही थी। देश के कई राज्यों में छत्रप नेता जिनका अपने राज्य के अलावा आसपास के राज्यों में भी वर्चस्व था, अनुशासन की कड़वी खुशबू से सध गए थे। अर्श से लेकर फर्श तक के पदाधिकारी को पार्टी लाइन के अलावा कुछ ना बोलने सोचने तक की छूट भी नहीं थी। राज्यों के बीते चुनाव तक सबने देखा कि हाई कमान से निकले आदेश को किसी भी प्रदेश इलाके के छत्रप नेता मानने के अलावा कुछ करना तो दूर सोचा भी नहीं, जैसी स्थिति चल रही थी। जवाब देने सामना करने वाले एकमात्र रीड की हड्डी वाले कर्नाटक के बुजुर्ग लिंगायत नेता येदुरप्पा थे।

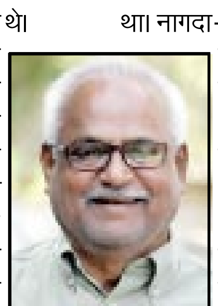

चन्द्रमोहन भगत

भाजपा हाई कमान का स्पष्ट विरोध कर येदुरप्पा ने कर्नाटक के जनमत की मौन भाषा को समझ हाई कमान को चेताया भी था। किन्तु चेतने की बजाय हाई कमान ने येदुरप्पा को ही किनारे कर दिया था। नतीजा देश की जनता के साथ भाजपा हाई कमान के सामने है। कर्नाटक की हार के बाद ऐसा लगना स्वाभाविक था कि बाकी राज्यों के चुनाव में हाई कमान वास्तविक क्षेत्रवार परिस्थितियों देखकर प्रत्याशी बनाएंगे। ऐसा हुआ नहीं, प्रदेश की पहली सूची में जो 39 नाम की घोषणा हुई। उनमें से एक दर्जन नाम पर क्षेत्रीय भाजपाइयों को ही अचरज हो रहा था। नागदा-खाचरोद और चाचौड़ा में सार्वजनिक दिखने वाला विरोध हुआ, बाकी अनुशासन की घुट्टी पिए कार्यकर्ताओं के कारण नजर भी नहीं आया और सबूत भी मिटा दिए गए। फिर 39 नाम की दूसरी सूची आई, जिसमें केंद्रीय मंत्री, सांसदों, राष्ट्रीय पदाधिकारी को विधानसभा प्रत्याशी घोषित किया गया था। तब भाजपा के बाकी 131 सीटों के भावी प्रत्याशियों में दहशत फैल गई थी कि इस स्तर के नाम प्रत्याशी बनेंगे तो हमें निश्चित ही सूची में स्थान नहीं मिलेगा!

अनिश्चितता का वातावरण बन चुका था और कई सांसदों में भी भय था कि उन्हें विधानसभा चुनाव में ना धकेल दे! पर भला कहे या बुरा, प्रदेश नेतृत्व ने भी अपनी बात बर्फ की ठंडाई के साथ परोसी तो हाई कमान का कड़क तप गल गया। प्रदेश के नेता की शैली बर्फीली थी, पर विषय कर्नाटक के येदुरप्पा जैसा ही था। इसके बाद फिर जो भी सूची आई, उसमें प्रदेश के नेतृत्व शिवराज सिंह की परछाई साफ नजर आई। कुछ नाम जैसे नीमच के दिलीप सिंह परिहार के लिए नरेंद्र तोमर, अनिरुद्ध मारू के लिए कैलाश विजयवर्गी, जबलपुर उत्तर में अभिलाष पांडे के लिए प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा की परछाई ने काम किया। बहरहाल इन बड़े नेताओं ने अपने समर्थकों के नाम पारित करने के लिए कई योग्य तो कई अति योग्य नाम को सिरे से नकार भाजपा को नुकसान पहुंचाने का काम कर दिया है।

यह तो होना ही था, क्योंकि दूसरी सूची के समय तक कड़क ताप वाला हाई कमान कर्नाटक हार के अनुभव से ऐसा गल जाएगा किसी को उम्मीद नहीं थी। अब जब सारे प्रत्याशियों की घोषणा हो चुकी है, तब सरकार बना लेने जैसा दृश्य बन नहीं रहा है। बनाने के लिए डैमेज कंट्रोल के साथ जी तोड़ मेहनत करना पड़ेगी। इस प्रत्याशी चयन में नई बात और उभर कर सतह पर आ गई है कि भाजपा संगठन भी अब पहले की तरह शत प्रतिशत डैमेज कंट्रोल कर लेने की क्षमता खो चुका है। इसलिए अभी से मेहनत के बाद भी जीत का दावा करना बेमानी होगा!

उठावना एवं श्रद्धांजलि

(महिला एवं पुरुषों की संयुक्त बैठक)

श्रीमती चंदादेवी सेवानी

पति-रामभाई सेवानी
पुत्रवधु-स्व. श्री आसनदासजी सेवानी
स्वर्गवास दिनांक-रविवार, 22 अक्टूबर 2023
उठावना दिनांक-मंगलवार, 24 अक्टूबर 2023, सायं 5 बजे
स्थान-श्री सिंधु महल धानमंडी, मंदसौर (म.प्र.)

✻✻✻✻ जेठ ✻✻✻✻
✻ स्व. श्री पुरुषोत्तमजी सेवानी, ✻ स्व. श्री लालचंदजी सेवानी, ✻ सुंदरदास सेवानी, ✻ जयकिशन सेवानी, ✻ भगवानदास सेवानी, ✻ वासुभाई सेवानी

✻✻✻✻ पुत्र ✻✻✻✻
✻ राहुल सेवानी
✻ कुणाल सेवानी

✻✻✻✻ भाई ✻✻✻✻
✻ ओमप्रकाश टेकवानी, ✻ राजकुमार छबलानी, ✻ आनंद टेकवानी, ✻ दीपक छबलानी, ✻ बल्लू छबलानी, ✻ जैकि छबलानी, ✻ कमल छबलानी

✻ जेठ पुत्र (भतीजे)- मनोज सेवानी, अनिल सेवानी, प्रदीप सेवानी, मनोज सेवानी, नरेन्द्र सेवानी, सनी सेवानी, प्रदीप सेवानी, रवि सेवानी ✻ पौत्र - हिमांशु, अमन, मोहित, हितेश, हेमन्त सेवानी एवं समस्त सेवानी परिवार, मंदसौर, टेकवानी एवं छबलानी परिवार उज्जैन

फर्म - कुणाल ओव्हरसीज, दीपक ओव्हरसीज, राज इंटरप्राईजेस, लक्ष्मी इंटरप्राईजेस, नीलकमल गारमेंट, अंजली मल्टी ट्रेडर्स, मो.-7746085692, 7024888796

विचार-मंथन

सीमा सड़क संगठन में डॉक्टरों का अभाव सामरिक रूप से संवेदनशील मामला

देश के चिकित्सा ढांचे की हालत किसी से छिपी नहीं है। शहरों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक चिकित्सकों, नर्सों की भारी कमी एक गंभीर समस्या रही है। छोटे-बड़े लगभग सभी अस्पतालों में साधारण लोग बीमारियों की जांच और इलाज के लिए लंबे इंतजार के अभ्यस्त हो गए हैं। लगातार बढ़ती आबादी के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर बना दबाव समझ में आता है, लेकिन अगर यही स्थिति सीमा सड़क संगठन यानी बीआरओ जैसे महकमे में भी दिखाई दे, तो मामला संवेदनशील हो जाता है। अफसोस की बात है कि बीआरओ ऐसे ही संकट की स्थिति का सामना कर रहा है। सीमा पर जम्मू-कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश जैसे इलाकों में महत्वपूर्ण सामरिक सड़कों, सुरंगों और पुलों के निर्माण कार्य में जुटे बीआरओ की चिकित्सा इकाइयों में डाक्टरों की भारी कमी है। सैन्य आधारभूत ढांचा मजबूत करने में लगे संगठन कर्मियों को बीमार या घायल होने पर इलाज के लिए इन्हीं इकाइयों में भर्ती कराया जाता है। हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बीआरओ की एक सौ उनतीस चिकित्सा इकाइयों में केवल तेरह चिकित्सक ही तैनात हैं। यानी एक सौ सोलह पद खाली पड़े हुए हैं। ऐसे में वहां स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे सैनिकों को किन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा होगा, यह समझा जा सकता है। सामरिक महत्व के संवेदनशील महकमे के तहत चिकित्सा ढांचे की यह स्थिति परेशान करने वाली है। ऐसे समय में यह खासतौर पर ध्यान रखने की जरूरत है जब चीन सीमा पर पिछले तीन साल से तनाव की स्थिति बनी हुई है और भारत सीमावर्ती इलाकों में अपने आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए तेजी से काम कर रहा है। चीन और पाकिस्तान से लगी अति संवेदनशील सीमा पर मैदानों से लेकर कई हजार फूट की ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों में बीआरओ की कई परियोजनाएं युद्ध स्तर पर चल रही हैं।काम के दौरान या प्रतिकूल मौसम में वहां सीमा सड़क संगठन के कर्मियों का घायल या बीमार होना आम बात है। लेकिन चिकित्सकों की कमी के कारण जाहिर है, समय पर जरूरी इलाज मुहैया नहीं हो पाता होगा। मौजूदा स्थितियां बताती हैं कि इसके लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। संघ लोकसेवा आयोग के जरिए होने वाली भर्ती प्रक्रिया का हाल देखकर सरकार के प्रयासों में कमी साफ झलकती है। दूसरे, सैन्य अधिकारी बताते हैं कि चीन और पाकिस्तान सीमा से लगे इलाकों में बीआरओ के साथ तैनाती से कई डाक्टर कतराते हैं। सही है कि पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हुआ है। देशभर में अस्पतालों की संख्या में खासी बढ़ोतरी हुई है। एमबीबीएस की सीटें लगभग दोगुनी होकर एक लाख हो चुकी हैं। लेकिन इतना सब होने के बावजूद सैन्य क्षेत्र में डाक्टरों की कमी जैसे संवेदनशील मसले पर प्राथमिकता से ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा अगर विभागीय स्तर पर दिक्कतें हैं तो उन्हें हर हाल में दूर किया जाना चाहिए और जटिल भौगोलिक परिस्थितियां, पारिश्रमिक या परिवार से लंबे वक्त के लिए अलगाव जैसे कारणों को आधार बनाकर डाक्टर सीमा पर तैनाती से बचते हैं, तो इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करना और इनका हल निकालना होगा। यह ऐसा मामला नहीं है, जिसे लंबे वक्त तक टाला जाए। सैनिकों की सेहत प्राथमिक जिम्मेदारी है और यह मोर्चे पर भी दिखनी चाहिए।

अगले चुनावों के बाद कम हो जाएगी शिरोमणि कमेटी सदस्यों की संख्या

-इकबाल सिंह चन्नी

सिखों की सबसे बड़ी और चुनी हुई संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एस.जी.पी.सी.) जिसे शिरोमणि कमेटी भी कहा जाता है, के चुनाव पिछले 6 वर्षों से रुके हुए हैं जिस कारण शिरोमणि कमेटी पर काबिज शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की विरोधी राजनीतिक पार्टियां और जत्थेबंदियां पिछले लम्बे समय से चुनाव जल्दी करवाने की मांग करती आ रही हैं। मगर अब गुरुद्वारा इलैक्शन कमिशन की ओर से करीब 4 महीने पूर्व जारी की गई अधिसूचना पर कार्रवाई करते हुए पंजाब सरकार ने वोटर लिस्टों को सुधारने का काम पूरा करने के आदेश जारी कर दिए हैं। जिस कारण शिरोमणि कमेटी के चुनाव होने के आसार नजर आने लगे हैं, दूसरी ओर हरियाणा की अलग गुरुद्वारा कमेटी को सुप्रीमकोर्ट की ओर से मान्यता मिलने पर हरियाणा गुरुद्वारा इलैक्शन कमिशन के निर्देशों पर हरियाणा सरकार ने अलग कमेटी हेतु चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। इस कारण अगले चुनावों के बाद शिरोमणि कमेटी के सदस्यों की गिनती कम हो जाने का अंदेशा है। शिरोमणि कमेटी की स्थापना बेशक 1920 में सुंदर सिंह मजीठिया के नेतृत्व में गुरुद्वारा सुधार लहर शुरू करने के वक्त ही कर दी गई थी क्योंकि 1839 में महाराजा रणजीत सिंह की मौत से कुछ समय बाद ही यानी कि 1849 में सिख साम्राज्य पूरी तरह से समाप्त हो गया था। अंग्रेज हुकूमत ने पंजाब का नियंत्रण अपने अधीन करने के साथ-साथ श्री हरिमंदिर साहिब पर भी नियंत्रण कर लिया था तथा वहां का प्रबंधन चलाने के लिए सर्वराह की नियुक्ति कर दी गई थी।

सिखों ने इसका विरोध किया और शिरोमणि कमेटी के झंडे के तले सिख गुरुद्वारों का प्रबंधन अपने हाथों में लेने के लिए संघर्ष शुरू कर दिया तो अंग्रेज हुकूमत की शह पर महंतों ने सिखों के साथ टकराव शुरू कर दिया। सैकड़ों सिख शहीद कर दिए गए। बाद में अंग्रेजी हुकूमत ने शिरोमणि कमेटी पर पाबंदी लगा दी तथा सिख नेताओं को जेल भेजने का काम शुरू कर दिया। पर सिखों ने अंग्रेजी हुकूमत का डटकर मुकाबला किया तथा संघर्ष और भी तेज कर दिया गया। इसके बाद अंग्रेज हुकूमत सिख गुरुद्वारा एक्ट को पास करने के लिए सहमत हो गई। अंग्रेज हुकूमत की ओर से 7 मई 1925 को शिमला में पंजाब विधानसभा के एक विशेष सत्र में सिख गुरुद्वारा एक्ट पेश किया गया। विधानसभा ने यह बिल सिलैक्ट कमेटी के सुपुर्द कर दिया और सिलैक्ट कमेटी ने इसकी रिपोर्ट 20 जून 1925 को पेश कर दी। जुलाई 1925 में यह बिल विधानसभा में सर्वसम्मति से पास हो गया। 28 जुलाई 1925 को गवर्नर जनरल के हस्ताक्षर के बाद यह बिल कानून बन गया तथा शिरोमणि कमेटी को कानूनी मान्यता मिल गई। 1926 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पहले चुनाव हुए तथा बाबा खड़क सिंह अध्यक्ष बने। शिरोमणि कमेटी की ओर से अपने 100 वर्षों के इतिहास में सिख धर्म की बेहतरी के लिए बहुत कुछ किया गया। शिरोमणि कमेटी की ओर से धर्म प्रचार के साथ-साथ पंजाबियों विशेषकर सिखों के लिए बहुत से शैक्षणिक उपक्रम खोले गए पर पिछले कुछ समय से शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी हरियाणा के सिखों की ओर से जाहिर की जा रही नाराजगी को दूर करने में असफल रही तथा हरियाणा के सिखों ने हरियाणा के लिए ही अलग कमेटी बनाने की मांग करनी शुरू कर दी। हरियाणा के सिखों की यह मांग उस समय हरियाणा में सत्ता पर काबिज कांग्रेस पार्टी को अपने राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए एक अच्छे अवसर के तौर पर लगी और हरियाणा सरकार ने अलग कमेटी बनाने का कानून बना दिया। हरियाणा सरकार के इस फैसले के खिलाफ हरियाणा तथा शिरोमणि कमेटी सदस्य हरभजन सिंह ने सुप्रीमकोर्ट में याचिका दायर की। पर सुप्रीमकोर्ट ने सितम्बर 2022 में फैसला हरियाणा की अलग कमेटी के हक में दे दिया। इस फैसले के खिलाफ एस.जी.पी.सी. और हरभजन सिंह की ओर से समीक्षा याचिकाएं दायर की गई पर सुप्रीमकोर्ट ने दोनों याचिकाओं को 4 फरवरी 2023 को रद्द कर दिया। सुप्रीमकोर्ट की ओर से हरियाणा की अलग कमेटी के हक में फैसला आने के बाद हरियाणा के गुरुद्वारों के प्रबंधन के लिए हरियाणा सरकार की ओर से एक अस्थायी कमेटी बना दी गई। अकाली दल बादल के नेताओं ने उस कमेटी का भारी विरोध किया और कहा कि सरकार सिखों की ताकत को कमजोर तथा गुरुद्वारों पर कंट्रोल करना चाहती है। मगर हरियाणा सरकार ने यह दलील दी कि यह एक कार्यवाहक कमेटी है तथा जल्द ही चुनाव करवा कर प्रबंधन चुने हुए प्रतिनिधियों को सौंप दिया जाएगा परन्तु अकाली दल ने इस दलील को रद्द करते हुए आंदोलन करने की चेतावनी दे दी। इसके बावजूद हरियाणा सरकार ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की 40 सीटों के लिए वोटें बनाने का कार्य 1 सितम्बर से शुरू कर दिया है और वोटें बनाने की अंतिम तारीख 30 अक्तूबर तय की गई है। सिख नेताओं ने सरकार की ओर से छापे गए प्रोफार्मा पर इतराज जताया था जिस कारण सरकार ने सिख नेताओं की मांग पर नया प्रोफार्मा जारी करने का फैसला किया है। बेशक अकाली दल बादल की ओर से गत दिनों हरियाणा की अलग कमेटी बनाने का भारी विरोध किया गया था।

2036 के ओलिम्पिक के लिए भारत की दावेदारी कहां तक सही

विपिन पब्बी

काफी मददगार साबित होगा। हालांकि इसके लिए तैयारी अभी से ही और जोर-शोर से करनी होगी। एक मजबूत खेल संस्कृति का निर्माण करना और बच्चों तथा युवाओं को खेलों में शामिल करना किसी भी देश के विकास का हिस्सा है। आने वाले वर्षों में भारत दुनिया की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक बनने पर अपनी नजर गड़ाए हुए है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वह खेल सुविधाओं के विकास और युवाओं को खेलों के लिए आकर्षित करने पर ध्यान दे। खेलों में दक्षता किसी देश के विकास और प्रगति को दर्शाती है और उत्पादकता के स्तर में भी वृद्धि होती है। हालांकि भारत ने केवल हॉकी के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद ओलिम्पिक तथा अन्य प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से कम पदक लिए हैं। भारत ने एक लम्बा सफर तय किया है फिर भी इसे अभी बहुत दूर का रास्ता तय करना है। हाल ही में सम्पन्न एशियाई खेलों में जहां हमारा प्रदर्शन अब तक का सबसे अच्छा रहा है, वहीं भारत ने अपने एशियाई खेल 2023 अभियान को 107 पदकों (28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य) के साथ समाप्त किया। फिर भी हम मजबूत देश चीन से बहुत पीछे हैं जिसने 200 स्वर्ण सहित कुल 382 पदक जीते हैं। जबकि जापान 51 स्वर्ण सहित 186 पदकों के साथ बहुत पीछे है। हम से ठीक आगे दक्षिण कोरिया ने 42 स्वर्ण पदक सहित 190 पदक जीते हैं। इसके साथ भारतीय दल आधिकारिक तौर पर 2018 में जकार्ता में निर्धारित 70 पदक के आंकड़े को पार करते हुए एशियाई खेलों में अब तक के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से आगे निकल गया। विशेष रूप से जबकि भारत ने 20 प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीते थे। 51 पदक सिर्फ 2 खेलों-एथलैटिक्स (29) और शूटिंग (22) से आए हैं। हाल ही के एशियाई खेलों में भारत के स्वर्ण 10 खेलों से आए हैं जिसमें एथलैटिक्स, क्रिकेट, शूटिंग, स्क्वैश, टैनिस, घुड़सवारी, हॉकी, बैडमिंटन, कबड्डी और तीरंदाजी शामिल हैं। इन एशियाई खेलों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह (4 पदक, जिनमें से 2 स्वर्ण थे) और ईशा सिंह (1 स्वर्ण, 3 रजत) भारत के शीर्ष पदक अर्जित करने वाले खिलाड़ी हैं। भारत ने टोक्यो खेलों को कुल 7 पदक (1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य) के रिकार्ड के साथ समाप्त करके एकल ओलिम्पिक संस्करण में अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 6 पदक का रिकार्ड तोड़ दिया था। इसके साथ ही भारत ने कुल पदक तालिका में 48वां स्थान अर्जित किया था। यह निश्चित तौर पर काफी अच्छा प्रदर्शन नहीं है। अमरीका ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था जबकि चीन दोनों मामलों में दूसरे स्थान पर रहा था। जापान तीसरे स्थान पर रहा जिसने ओलिम्पिक खेलों में अपने प्रतिनिधिमंडल द्वारा जीते गए सबसे अधिक स्वर्ण पदक और कुल पदक (27 और 58) का रिकार्ड बनाया इसलिए ओलिम्पिक खेलों की मेजबानी की तैयारी में भारत को अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। यदि 2036 के लिए भारत की बोली स्वीकार कर ली जाती है तो हमारा प्रदर्शन उन खिलाड़ियों पर निर्भर करेगा जो वर्तमान में अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा में हैं। 2036 के ओलिम्पिक में अपनी छाप छोड़ने के लिए उन्हें इस चरण से तैयार करने की जरूरत होगी। इसके अतिरिक्त भारत पदक पाने के लिए कुछ विषयों के पदकों पर निर्भर नहीं रह सकता। तैराकी, जिम्नास्टिक और एथलैटिक्स जैसे खेलों में निवेश शुरू करने की जरूरत है जिनसे बड़ी संख्या में पदक मिलते हैं। हाल ही में केंद्र सरकार के साथ-साथ कई राज्य सरकारें, विशेष कर हरियाणा सरकार खेलों पर बहुत जोर दे रही है। हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामैंट, जहां से सर्व भुगतान वाली शिक्षा और खेल प्रशिक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ का चयन किया जाता है, ने राज्य में खेलों के मानकों को बेहतर बनाने में काफी मदद की है। परिणामस्वरूप राज्य ने शीर्ष स्तर के खिलाड़ी पैदा करने शुरू कर दिए हैं।

चीन ही नहीं, भारत से भी दोस्ती निभा रहे हैं पुतिन

कुछ जानकार रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के चीन में हुए 'बेल्ट एंड रोड फोरम' में शामिल होने को चीन और रूस की 'नो लिमिट्स' वाली दोस्ती को फिर स्थापित करने की कोशिश से ज्यादा भारत में हुए जी20 शिखर सम्मेलन में उनके न आने से जोड़ कर देख रहे हैं। वहीं, कुछ एक्सपर्ट्स इसे पुतिन की हाल ही में हुई कजाकस्तान यात्रा से जोड़कर यह भी कह रहे हैं कि सुरक्षा के लिहाज से उन्हें कजाकस्तान और चीन कहीं मुफीद लगे। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पुतिन की चीन यात्रा को भारत पर टिप्पणी माना जाना चाहिए? इस साल मार्च में नीदरलैंड के हेग में स्थित इंटरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट ने यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन को 'युद्ध अपराधी' करार दिया था और उनकी गिरफ्तारी के समन जारी किए थे। दुनिया के 123 देशों ने इंटरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट को स्थापित करने वाली रोम संधि पर दस्तखत किए हैं और उसे मान्यता दी है। इसलिए राष्ट्रपति पुतिन को विदेश यात्रा के दौरान कहीं भी बंदी बनाए जाने को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। पुतिन जब अगस्त में दक्षिण अफ्रीका में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नहीं गए, तब इस बात को और उछाला गया। 1998 में दक्षिण अफ्रीका ने रोम संधि पर हस्ताक्षर किए थे। यह पुतिन के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में न जाने का शायद एक बड़ा कारण था। लेकिन इस मामले में चीन और भारत दोनों अन्य देशों से अलग हैं। भारत और चीन ने रोम संधि पर दस्तखत नहीं किए हैं। इसलिए वे पुतिन को गिरफ्तार करने को बाध्य नहीं हैं। इसके अलावा भारत और चीन आज रूस के खास दोस्तों में गिने जाते हैं। यूं तो यूक्रेन युद्ध पर भारत की तटस्थता चीन के मुकाबले कहीं ज्यादा गतिशील और अभिनव रही है। शायद इसीलिए पश्चिमी देशों के साथ रूस ने भी इस मामले में भारत की नीति को मान लिया है। मगर सच यह भी है कि इस नीति को लेकर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव कई बार निराशा भी जता चुके हैं। इस वजह से पुतिन का भारत के जी20 शिखर सम्मेलन में न आकर चीन के 'बेल्ट एंड रोड फोरम' में शामिल होना कुछ गलत धारणाओं को मजबूती दे रहा है। लेकिन इस मामले में कुछ बातें विचार करने लायक हैं। सबसे पहले तो यह समझना होगा कि भारत में हुए जी20 शिखर सम्मेलन और चीन में हुए 'बेल्ट एंड रोड फोरम' में जमीन-आसमान का फर्क है। जी20 आज विश्व की सबसे बड़ी 20 अर्थव्यवस्थाओं का गुट कहा जाता है, लेकिन असल में यह जी7 का ही विस्तृत रूप है। इसमें विकासशील देश धीरे-धीरे ही सही 'ग्लोबल साउथ' की चुनौतियों पर अपनी समझ जी7 देशों के साथ साझा करने में कामयाब हुए हैं। ऐसे में यूक्रेन संकट के चलते पुतिन की जी20 में मौजूदगी इस परिवर्तनकारी प्रक्रिया में खलबली मचा सकती थी। यह मेजबान देश भारत के साथ-साथ रूसी राष्ट्रपति के लिए भी परेशानी का कारण बन सकता था। इसके उलट 'बेल्ट एंड रोड फोरम' में चीन के दोस्त देश शामिल हैं। वैसे, नैटो में शामिल कुछ यूरोपीय देशों ने भी चीन के बेल्ट एंड रोड से तालमेल बढ़ाया है, लेकिन ज्यादातर पश्चिमी देश 'बेल्ट एंड रोड इनिशटिव' और यूक्रेन युद्ध को चीन और रूस की नए शीत युद्ध की साजिश का हिस्सा मानते हैं। जाहिर है, पुतिन का चीन जाना उतना ही चीन और रूस के हित में था, जितना उनका जी20 शिखर सम्मेलन में न आना भारत और रूस के हित में। ठीक इसी तरह, यूक्रेन युद्ध के चलते पश्चिमी देशों के कड़े आर्थिक प्रतिबंधों से जो संकट रूस पर आया है, वह पुतिन के चीन और उसके दोस्तों से जुड़ने को स्वाभाविक बना देता है और भारत इस बात को अच्छी तरह समझता है।

पीएम मोदी ने सिंधिया परिवार को बताया दूरदर्शी, खूब की तारीफ

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक-5033

					9			6
					3	8	5	1
	6	2		1	5			
		7					6	
	2	1	9	7	6	3	8	
	3					1		
			4	5		9	7	
2	5	8	6					
4			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5032

1	6	7	5	2	4	9	3	8
2	3	9	1	7	8	6	5	4
8	5	4	3	9	6	2	7	1
6	9	8	7	4	2	3	1	5
7	2	3	6	1	5	4	8	9
5	4	1	8	3	9	7	6	2
3	1	2	4	8	7	5	9	6
9	7	6	2	5	1	8	4	3
4	8	5	9	6	3	1	2	7

वर्ग पहेली 5033

1	2		3	■	4	5	6
7		■	8	9			
	■	10			■	11	
■	■	12		■	13		
14	15			■		■	■
16		■	■	17			18
	■	19	■	20		■	
21		■	22		■	23	

संकेत: बाएं से दाएं

1. नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की झांसी की रानी ब्रिगेड की 23 अक्टूबर 1943 को यहां स्थापना की (4)
4. पिता की बहन को यह कहते है (3)
7. दो बार उतना ही, दो गुना (2)
8. स्वप्न में यात्रा करने वाला, [illegible] (5)
10. विपत्ति, दुर्दशा, संकट (3)
11. माता लक्ष्मी के नामों में से एक (2)
12. जी, अमर (2)
13. भूत निवारणकर्ता, भूतहंता (3)
14. कीचड़, गारा, पंक (4)
16. हाथ, कर, एक नक्षत्र जिसमें पांच तारे है (2)
17. परंपरागत चला आता हुआ क्रम (4)
19. वर्तमान सूचक का एक अव्यय (1)
20. प्राचीन काल की दो या चार पहियों वाली सवारी जिसे घोड़े खींचते थे (2)
21. दलील, सुविचारित बात (2)
22. प्राचीन इकाई जो लगभग तीन गज की होती है (2)
22. प्रतिध्वनि, हमेशा (2)

ऊपर से नीचे

1. ईंगुर जिससे हिंदू धर्म की विवाहित महिलाएं मांग भरती है (3)
2. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया (2)
3. जिसके मन में करुणा का भाव हो (5)
4. रक्तवाहिका, रक्तवाहिनी नली, शिरा (2)
5. घृणा, चिढ़ (4)
6. [illegible] (4)
9. दार्शनिक प्रणाली, राय, मत, परामर्श (2)
10. कदाचित, संभवतः (3)
13. भूतों की स्वामी होने के कारण भगवान शंकर का एक नाम (4)
14. आतंक, भय (4)
15. क्षमताहीन, अशक्त, अधिक थका हुआ (2)
17. जलयुक्त, स्वादयुक्त (3)
18. इस नदी का नाम रेवा भी है (3)

वर्ग पहेली 5032 का हल

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]
[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	■	न	[illegible]	■
[illegible]	[illegible]	■	कि	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]
न	■	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	[illegible]
■	[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	■	न
[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]
[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	[illegible]

बिना बुखार भी डेंगू ले रहा चपेट में तेजी से कम होती है प्लेटलेट्स

भोपाल निप्र। आमतौर पर डेंगू से ग्रस्त होने पर पहले हल्का या तेज बुखार आता है लेकिन पहली बार शहर में बिना बुखार वाले डेंगू के मरीज की पुष्टि हुई है। इसमें तेजी से प्लेटलेट्स कम होती है और जान का जोखिम बढ़ जाता है। इस तरह के मरीज की पुष्टि जेपी अस्पताल में हुई है।

500 से ऊपर पहुंचा आंकड़ा: असल में डेंगू का खतरा बढ़ता जा रहा है। शहर में अब तक 512 से अधिक डेंगू पाजीटिव मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। डेंगू के तीन तरह के लक्षणों वाले मरीज मिल रहे हैं। जिनमें सामान्य बुखार, तेज बुखार और बिना बुखार वाले मरीज शामिल हैं। इनमें बिना बुखार वाले मरीज पहली बार सामने आ रहे हैं।

थकान, हरारत की भी न करें अनदेखी: जेपी अस्पताल के एमडी मेडिसिन डा. योगेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि 35 वर्षीय एक युवक 18 अक्टूबर को दिखाने आया था। थकान और हरारत महसूस कर रहा था। बुखार नहीं था। फिर भी खून की जांच कराई तो पता चला कि वह डेंगू पाजीटिव है। प्लेटलेट्स काउंट बहुत कम थी। वहीं सत्येश कुमार के दो भतीजों को कुछ दिनों से बुखार आ रहा था, जांच कराने में डेंगू की पुष्टि हुई। लेकिन उनको डेंगू जैसे लक्षण बिल्कुल नहीं थे।

आम लक्षणों से अलग: आमतौर पर होने वाले डेंगू में मरीज तेज बुखार की शिकायत करता है। उसके शरीर में अधिक दर्द होता है, लेकिन मधुमेह के मरीजों, बूढ़े लोगों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में बुखार के बिना भी डेंगू हो सकता है। ऐसे मरीजों को बुखार तो नहीं होता, होता भी है तो हल्का बुखार होता है। लेकिन डेंगू के दूसरे लक्षण जरूर होते हैं। ये लक्षण भी काफी हल्के होते हैं।

इनका कहना है

डेंगू अभी इतना गंभीर नहीं है, लेकिन डेंगू के मरीजों में अलग-अलग तरह के लक्षण आ रहे हैं। अस्पताल आने वाले मरीजों का काफी गंभीरता से परीक्षण करने की जरूरत है।
डा. राकेश श्रीवास्तव, सिविल सर्जन, जेपी अस्पताल, भोपाल

बावड़ीखेड़ा गांव के मतदाता चुनते हैं दो विधायक

भोपाल जिले की सीमा पर 22 घरों के वावड़ीखेड़ा गांव में 17 परिवार सीहोर, तो पांच परिवार के लोग करते हैं भोपाल में मतदान

भोपाल। गांव एक, विधायक दो और समस्याएं अपार....सुनने में यह भले ही अटपटा लग रहा हो, लेकिन हकीकत यही है। दो जिलों के इस इकलौते गांव बावड़ीखेड़ा में वैसे तो नेमतों की भरमार है, लेकिन जमीनी सच्चाई कुछ और ही है। रातापानी के कठौतिया के पास वनक्षेत्र से सटा यह गांव भोपाल के नजदीक है, लेकिन इसका बड़ा हिस्सा सीहोर की इछावर विधानसभा क्षेत्र में आता है। गांव का कुछ हिस्सा भोपाल जिले की हुजूर विधानसभा क्षेत्र में भी आता है। गांव में 22 परिवार रहते हैं। 17 परिवार सीहोर तो पांच परिवार भोपाल जिले में मतदान करते हैं। यहां भोपाल और सीहोर की सीमा एक हैंडपंप से तय होती है। गांव की हालत इतनी खराब है कि यहां न मोबाइल नेटवर्क है और न ही बिजली का ठिकाना रहता है। पिछले सप्ताह एक हिस्से में हुई बारिश और ओलावृष्टि से गई बिजली सात दिन बाद भी नहीं आई है।

स्कूल भोपाल में, विद्यार्थी सीहोर के: वावड़ीखेड़ा का प्राथमिक विद्यालय भोपाल जिले के हिस्से में है, लेकिन ज्यादातर विद्यार्थी सीहोर वाले हिस्से से पढ़ने आते हैं। यहां एक ही शिक्षक है।

सहायक अध्यापक मानकलाल अहिरवार दिव्यांग होने के कारण अपनी बुजुर्ग मां के साथ स्कूल के ही एक कमरे में रहते हैं। मानकलाल के अनुसार, पहले यहां दो शिक्षक हुआ करते थे। पूर्व शिक्षक की मृत्यु के बाद से सिर्फ मैं ही पढ़ा रहा हूं। पांचवीं तक के 18 बच्चे पढ़ने आते हैं। इसके बाद बच्चे माध्यमिक शाला कठौतिया, कोलार या भोपाल जाते हैं।

दो जिलों के जंगलों की भी सीमा: वावड़ीखेड़ा गांव वन सीमा से सटा हुआ है, लेकिन यह भी एक जिले के नहीं है। केकड़िया से लगा हिस्सा जहां समरधा रेंज में आता है, वहीं सीहोर का हिस्सा रातापानी वनक्षेत्र में आता है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल में मवेशी चराना हमारी मजबूरी है। यहां भी दो जिलों के वनकर्मियों से हमें बचना पड़ता है। जंगल से घिरे इलाके में रहने वाली हेमानी बताती हैं कि गांव में अस्पताल नहीं है। इस कारण से भी हमें काफी दिक्कत होती है।

दूसरे गांव के पानी से बुझती है प्यास

वावड़ीखेड़ा में हैंडपंप है, लेकिन इनसे लालपानी आता है। वहीं नजदीक के गांव कठौतिया में एक खेत में किए गए बोरिंग से अपने आप पानी निकल रहा है। इस बोरिंग को पत्थर से ढंका गया है, जिससे किनारे से फूट रही धार से ग्रामीण पानी भरते हैं। ग्रामीण हेमेंद्र सिंह जाटव बताते हैं कि गांव में बिजली और पेयजल की समस्या है। पेयजल के लिए एक किलोमीटर से ज्यादा चलकर दूसरे बोरिंग या हैंडपंप से पानी लाना पड़ता है। ग्रामीण हेमराज और कुंदनसिंह ने बताया कि पंचायत आवंलीखेड़ा में एक बार टैंकर आया था, लेकिन अब यह कोने में पड़ा है।

सिर्फ चुनावी मौसम में आते हैं जनप्रतिनिधि

गांव के अधिकतर घर सीहोर की इछावर विधानसभा में आते हैं। हेमेंद्र बताते हैं कि इछावर के विधायक सिर्फ चुनाव के समय आते हैं, बाकी समय ग्रामीण समस्या लेकर उनके बंगले या सीहोर के चक्कर काटते रहते हैं। भोपाल की हुजूर विधानसभा के यहां चार ही घर हैं। इस कारण वहां से कोई वोट भी मांगने नहीं आता। ग्रामीण बताते हैं विधायक पिछले कार्यकाल में एक बार आए थे। कुल मिलाकर राजनीतिक और प्रशासनिक रूप से दो भागों में बंटे यहां के ग्रामीण प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से ज्यादा भगवान के भरोसे हैं।

दूरदर्शन समाचार के कार्यक्रम 'DD-DIALOUGE- मध्यप्रदेश का समर' का भोपाल में सफल आयोजन

रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रखी अपनी राय

प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बीडी शर्मा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। दूरदर्शन समाचार के विधानसभा चुनाव को लेकर विशेष कार्यक्रम 'डीडी-डायलॉग, मध्यप्रदेश का समर' का आयोजन भोपाल में किया गया। जिसमें चुनावी मुद्दों पर चर्चा की गई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने डबल इंजन सरकार का महत्व बताते हुए कहा है कि अगर राज्य और केंद्र सरकार का अलाएमेंट हो विकास दो गुनी रफ्तार से होता है। भोपाल में दूरदर्शन सरमाचार के विधानसभा चुनाव पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम 'डीडी डायलॉग्स- मध्यप्रदेश का समर' में एक सवाल के जवाब में श्री वैष्णव ने कहा कि मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद रेलवे की नई रेल लाइन बिछने का काम है तेजी से हुआ है। 2014 में देश में 1561 किलोमीटर के रेलवे ट्रेक बिछाए गए थे, जो अब 2023 में 5243 किलोमीटर हो चुका है। रेल मंत्री ने मध्यप्रदेश में रेलवे के काम का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में मोदी सरकार बनने के बाद 4800 किमी रेलवे लाइन का विद्युतिकरण हुआ जो स्विटजरलैंड के बराबर है, जहां कुल रेलवे नेटवर्क 5000 किमी का है। श्री वैष्णव ने बताया कि वर्ष 2014 से पहले देश में कुल मोबाइल खपत का 98 प्रतिशत आयात किए जाते थे, जबकि आज 98 प्रतिशत देश के भीतर बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले करीब 500 स्टार्टअप थे जो अब एक लाख 10 हजार से ज्यादा हो गए हैं। रेल मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की बदौलत अब एक करोड़ 80 लाख रोजगार हर साल पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नमो भारत, वंदे भारत और अमृत भारत से देश में रेलवे का ट्रांसफॉर्म हो रहा है।

दूसरा सत्र- मध्यप्रदेश के दिल में कौन?

'डीडी डायलॉग्स- मध्यप्रदेश का समर' के दूसरे सत्र में बीजेपी की ओर से चिकित्सा शिक्षा मंत्री, कांग्रेस की ओर से पीसी शर्मा और वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय शामिल हुए। इस दौरान श्री सारंग ने कहा कि एमपी के दिल में मोदी है, उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी 150 से ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाएगी। वहीं कांग्रेस की ओर से पीसी शर्मा ने हाल ही में विभिन्न न्यूज चैनलों के सर्वे का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस 174 सीटें जीत रही है। एक सवाल के जवाब में पीसी शर्मा ने बीजेपी पर धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाया। वहीं विश्वास सारंग ने पलटवार करते हुए कहा कि सरकार-सरकार में फर्क होता है, उन्होंने आरोप लगाया कि कमलनाथ सरकार ने कैबिनेट ने ढाई सौ करोड़ का प्लेन सीएम कमलनाथ के लिए खरीदने का प्रस्ताव पास किया, वहीं सीएम शिवराज ने बुजुर्गों के लिए हवाई जहाज से तीर्थ दर्शन योजना शुरू की। श्री सारंग ने 2003 से पहले के आंकड़े बताते हुए कहा कि दिग्विजय सरकार में 3 प्रतिशत विकास दर थी, वहीं शिवराज सरकार में 17 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कृषि विकास दर 3 प्रतिशत थी, जो आज 21 प्रतिशत से ज्यादा है। आज 4 लाख किमी से ज्यादा सड़के बन चुकी हैं।

तीसरा सत्र- भाजपा की चुनौतियां

डीडी डायलॉग- मध्यप्रदेश का समर के तीसरे सत्र में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा शामिल हुए। श्री शर्मा ने सत्र के विषय पर कहा कि प्रदेश में भाजपा के सामने कोई चुनौती नहीं है, केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को चुनाव में उतारने पर श्री शर्मा ने कहा कि बीजेपी एक काडर बेस पार्टी है, इसलिए किसी को भी चुनाव लड़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एंटी इनकमबेंसी जैसा कोई माहौल नहीं है। एक सवाल के जवाब में श्री शर्मा ने कहा कि सरकार आने पर छात्र संघ चुनाव पुनः करवाने का वादा किया।

विशेष अभियान 3.0 के तहत साफ सफाई से एकत्रित स्क्रेप/अपशिष्ट सामग्री का उचित निपटान

भोपाल (नप्र)। भोपाल मण्डल पर स्वच्छता के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान 3.0 (स्पेशल कैम्पेन 3.0) के तहत साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ ही स्क्रेप सामग्री का उचित उपयोग करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में भोपाल स्टेशन परिसर को संक्रमण मुक्त, साफ सुथरा बनाये रखने के लिए नियमित साफ सफाई का काम जारी है। स्टेशन पर सभी प्लेटफॉर्मों, कांकोर्स एरिया, सर्कुलेटिंग एरिया, एफओबी, रेलवे ट्रैक, स्टेशन यार्ड एरिया, शौचालयों आदि की बेहतर साफ सफाई सुनिश्चित कराई जा रही है। प्लेटफार्म, रेलवे ट्रैक, वेटिंग रूम, टिकट काउंटर, स्टाल, फुट ओवर ब्रिज एरिया को साफ सुथरा और संक्रमण मुक्त रखने के लिए विशेष निगरानी की जा रही है। साफ सफाई से एकत्रित अपशिष्ट सामग्री का उचित निपटान किया जा रहा है। यात्रियों से अपील है कि स्टेशन परिसर को साफ सुथरा एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए रेल प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहयोग करें। प्लास्टिक वस्तुओं का उपयोग बन्द करें। कचरे को निर्धारित डस्ट बिन में ही डालें। स्वच्छ रेल, स्वच्छ रेल परिसर बनाने में अपना योगदान दें।

संस्कृति विभाग की रामलीला पर रोक, निर्वाचन आयोग से पूछा- मप्र स्थापना दिवस मनाएं या नहीं

भोपाल (नप्र)। एक नवंबर को प्रत्येक वर्ष मध्य प्रदेश का स्थापना दिवस मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रदेश में विधान सभा चुनाव की आचार संहिता के चलते राज्य सरकार की ओर से आयोजन नहीं हो पाएगा। दशहरा के मौके पर प्रदेश में रामलीला के आयोजनों पर भी आचार संहिता के दौरान रोक लग गई है। मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस पर प्रदेश का सबसे बड़ा और भव्य आयोजन एक नवंबर को राजधानी के लाल परेड मैदान में आयोजित किया जाता है। इसे लेकर संस्कृति विभाग ने चुनाव आयोग से पत्र लिखकर पूछा है कि एक नवंबर को मप्र स्थापना दिवस मनाएं या नहीं।

हर साल होता है स्थापना दिवस पर भव्य आयोजन

गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता में स्थापना दिवस के कार्यक्रम को बेहद छोटा किया गया था। समारोह लाल परेड मैदान के बजाय रवींद्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर हुआ था। दो दिवसीय इस समारोह में गायन, वादन सहित नृत्य की प्रस्तुतियां हुई थीं, जिसमें लगभग 200 कलाकार शामिल हुए थे।

स्थापना दिवस समारोह में अब तक प्लेबैक सिंगर आशा भौंसले, अभिनेत्री हेमा मालिनी, एआर रहमान, विशाल-शेखर, हरिहरन, सुनिधी चौहान, श्रेया घोषाल जैसे नामचीन कलाकार प्रस्तुति दे चुके हैं। इसके साथ ही राज्य के पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुति भी होती है, जिसमें ढिमरियाई, बधाई, नौरता, अखाड़ा, दुलदुल घोड़ी, काठी एवं उड़ुवा नृत्य खास होते हैं। यहां कई पद्मश्री कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देने आते हैं।

भोपाल में होनी थी रामलीला

राजधानी भोपाल में हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रामलीला का आयोजन होता रहा है। इस बार यह 17 से 23 अक्टूबर तक प्रस्तावित था। वहीं, परासिया में भी 22 से 24 अक्टूबर तक श्रीरामलीला उत्सव होना था, जो अब नहीं हो पाएगा। इस तरह ग्वालियर में होने वाला मप्र नृत्य समारोह, शौर्य स्मारक वर्षगांठ समारोह नहीं हो पाएंगे। गुना, मैहर, नलखेड़ा, बुरहानपुर और सलकनपुर में शक्ति पर्व भी नहीं हो पाएंगे।

इनका कहना है

आचार संहिता के चलते प्रदेश में कराई जाने वाली रामलीला के आयोजनों को स्थगित किया गया है। स्थापना दिवस के लिए हमने चुनाव आयोग के पास प्रस्ताव भेजा है। यदि आयोग अनुमति देगा, तभी आयोजन कर पाएंगे।
शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव, संस्कृति विभाग मप्र

स्थापना दिवस के लिए संस्कृति विभाग की ओर से हमारे पास कोई प्रस्ताव नहीं आया है, यदि आता है तो चुनाव आयोग को मार्गदर्शन के लिए भेजेंगे।
अनुपम राजन, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मप्र

भोपाल में दशहरा को लेकर गाइडलाइन

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में नवरात्रि के बीच दशहरे की तैयारी भी शुरू हो गई है। 30 से ज्यादा स्थानों पर बड़े स्तर पर रावण के पुतलों का दहन होगा। वहीं, गली-मोहल्लें और कॉलोनियों में भी रावण दहन होगा। चूंकि, अभी विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू है, इसलिए दशहरे के चल समारोह और पुतला दहन की अनुमति लेना जरूरी रहेगा। वरना आचार संहिता के उल्लंघन का केस दर्ज किया जाएगा। एडीएम प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि आचार संहिता लागू होने से सभी प्रकार के चल समारोह, बारात, आमसभा, रैली आदि को लेकर अनुमति लेना जरूरी है। दशहरे को लेकर भी यही गाइडलाइन है।

विधानसभावार लेनी होगी अनुमति

रावण दहन और चल समारोह को लेकर विधानसभावार अनुमति लेना होगी। गोविंदपुरा विधानसभा के लिए एडीएम दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के लिए एडीएम उत्तर ऑफिस, हुजूर विधानसभा के लिए एसडीएम ऑफिस हुजूर, भोपाल उत्तर विधानसभा के लिए एसडीएम ऑफिस बैरागढ़, भोपाल मध्य विधानसभा के लिए एसडीएम ऑफिस शहर वृत्त, नरेला विधानसभा के लिए एसडीएम ऑफिस गोविंदपुरा और बैरसिया विधानसभा के लिए एसडीएम ऑफिस बैरसिया से अनुमति मिलेगी।

साइबर क्राइम भोपाल ने खोजे 500 गुम मोबाईल

भोपाल (निप्र)। राजधानी भोपाल की साइबर क्राइम पुलिस ने चोरी गए एवं गुमें हुए करीब 500 मोबाइलों को बरामद कर लिया है। अब उक्त मोबाइलों को मोबाइल धारकों को वापस किया जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राजधानी भोपाल में पिछले कुछ महीनो के दौरान घूमे हुए एवं चोरी गए मोबाइलों को क्राइम ब्रांच की टीम में बड़े पैमाने पर बरामद किया है। इनमें से करीब 500 मोबाइल आज मोबाइल धारकों को वापस किए जाएंगे। बताया जाता है कि पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणाचारी मिश्र द्वारा आयुक्त कार्यालय में मोबाइल धारकों एवम आवेदकों को लौटाए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक देहात भोपाल श्री प्रमोद सिंहा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नीरज चौरसिया के द्वारा अवैध हथियारों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देशो के अनुक्रम में एस डी ओ पी बैरसिया श्री पंकज दीक्षित के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गुनगा अरूण शर्मा की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर आरोपी के पास से एक लोहे की धारदार छुरी बरामद की गई है। नागपुर का पुलिस में आरोपी के विरुद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

33 तो छोड़िए 15 फीसदी महिलाओं को नहीं मिला प्रतिनिधित्व

कांग्रेस 12.66 तो भाजपा ने 12.28 प्रतिशत महिलाओं को दिया टिकट

भोपाल (नप्र)। मप्र में आधी आबादी यानी महिलाओं को साधने के लिए राजनीतिक पार्टियों ने न केवल वादे किए हैं, बल्कि योजनाओं के साथ ही सौगातों की बौछार की है। लेकिन जब टिकट देने की बात आई तो पार्टियों ने महिलाओं को बराबरी का हक देने की बजाय उनके हिस्से का भी हक नहीं दिया है। गौरतलब है कि चुनावों में महिलाओं को 33 फीसदी टिकट देने की बात हो रही है लेकिन प्रदेश में किसी भी पार्टी ने 15 फीसदी टिकट भी नहीं दिया है। जबकि मप्र की 16वीं विधानसभा गठन के लिये हो रहे विधानसभा चुनावों में बहुमत की भूमिका 2.72 करोड़ महिलाएं भी निभाएंगी। मौजूदा समय में मप्र सरकार त्रिस्तरीय व्यवस्थाओं में महिलाओं की 50 प्रतिशत भागीदारी तय कर चुकी है। मप्र में कुल मतदाताओं की संख्या 5.60 करोड़ है।

उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में लोकसभा में महिला आरक्षण बिल को एक स्वर में भाजपा और कांग्रेस के साथ सभी पार्टियों ने समर्थन दिया, लेकिन मप्र विधानसभा चुनाव में किसी ने 33 फीसदी महिलाओं को प्रतिनिधित्व नहीं दिया है। भाजपा द्वारा घोषित 228 उम्मीदवारों में से 28 महिलाओं को टिकट दिया है जबकि कांग्रेस ने 229 में से 29 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह भाजपा ने मात्र 12.28 और कांग्रेस ने 12.66 फीसदी महिलाओं को ही प्रतिनिधित्व दिया है। इससे साफ होता है कि, दोनों ही राजनीतिक दलों को महिला प्रत्याशी के जीतने पर पुरुषों की अपेक्षा कम भरोसा है।

50 प्रतिशत आबादी महिला मतदाता

मध्यप्रदेश में इस बार मतदाताओं की संख्या में इजाफा हुआ है। प्रदेश में लगभग 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 मतदाता हैं। इनमें से लगभग 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार 607 पुरुष और 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 महिला मतदाता हैं। इस हिसाब से प्रदेश में 50 प्रतिशत महिला वोटर हैं, लेकिन 230 सदस्यों वाली विधानसभा में वर्तमान में केवल 21 महिला विधायक हैं। यानि महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से भी कम। इस विधानसभा में भाजपा के 127 विधायक हैं इनमें से मात्र 14 महिलाएं हैं। कांग्रेस के 92 विधायक हैं इनमें से 6 महिला विधायक हैं। एक महिला विधायक बसपा से है। इस तरह यह कहना उचित होगा कि, पितृसत्तात्मक सोच आज भी राजनीति में अपनी पकड़ बनाए हुए है। महिलाओं की समान भागीदारी की बात हर राजनीतिक दल द्वारा की गई, परन्तु नीति निर्णयन के शीर्ष स्तर में महिलाओं के उचित प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने का कार्य किसी भी दल ने गंभीरता से नहीं किया।

भाजपा ने इन महिलाओं को दिया टिकट

आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 230 में से 228 उम्मीदवार घोषित हो गए हैं। इनमें से केवल 28 महिलाओं को उम्मीदवार घोषित किया गया है। ग्वालियर पूर्व से माया सिंह, हट्टा से ऊमा खटिक, रैगांव से से प्रतिमा बागरी, चितरंगी से राधा सिंह,

मंडला से संपतिया उइके, बालाघाट से मौसम बिसेन, खंडवा से कंचन मुकेश तन्वे, पंधाना से छाया मोरे, नेपानगर से मंजू राजेन्द्र दादू, बुरहानपुर से अर्चना चिटनिस, धार से नीना विक्रम वर्मा, अम्बेडकर नगर महू से ऊषा ठाकुर, जयसिंहनगर से मनीषा सिंह, मानपुर से मीना सिंह मांडवे, गोविंदपुरा से कृष्णा गौर, देवास से गायत्रीराजे पंवार, इंदौर 4 से मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, अमरवाड़ा से मोनिका बट्टी, डबरा से इमरती देवी, सीधी से रीति पाठक,परासिया से ज्योति डहेरिया, घोड़ाडोंगरी से गंगा बाई उईके, भीकनगांव से नंदा ब्राह्मणे, सैलाना से संगीता चारले, सबलगढ़ से सरला विजेंद्र यादव, चाचौड़ा से प्रियंका मीणा, छतरपुरसे ललिता यादव और पेटलावद से निर्मला भूरिया को टिकट दिया गया है।

कांग्रेस इनको बनाया उम्मीदवार

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 230 में से 229 उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। इनमें से केवल 29 महिलाओं को उम्मीदवार घोषित किया गया है। आमला विधानसभा सीट पर उम्मीदवार की घोषणा होना बाकी है। इस सीट पर कांग्रेस निशा बांगरे (डिप्टी कलेक्टर के पद से इस्तीफा) को उम्मीदवार बना सकती है। अगर निशा बांगरे को टिकट मिलता है तो महिला उम्मीदवार की संख्या 30 हो जाएगी। बीना से निर्मला सप्रे, खुरई से रक्षा राजपूत, रहली से इंज. ज्योति पटेल, सागर से निधि जैन, बांधवगढ़ से सावित्री सिंह, गाड़रवारा से सुनित्ता पटेल, कुरवाई से रानी अहिरवार, सारंगपुर से कला महेश मालवीय, नेपानगर से गेंदू बाई चौहान, धार से प्रभा गौतम, धौहानी से कमलेश सिंह, जतारा से किरण अहिरवार, खरगापुर से चंदा सिंह गौर, रैगांवसे कल्पना वर्मा, मलहरा से साध्वी रामसिया भारती, नागौद से डॉ. रश्मि सिंह पटेल, मनगवां से बबिता साकेत, सिंगरौली से रेनू शाह, जैतपुर से उमा धुर्वे, सिहोरा से एकता ठाकुर, लांजी से हीना कांवरे, बालाघाट से अनुभा मुंजारे, बैरसिया से जय श्री हरिकरण, पांधाना से रूपाली बारे, बिखनगांव से झूमा सोलंकी, महेश्वर से विजयलक्ष्मी साधो, सांवेर से रीना बौरासी सेतिया, उज्जैन उत्तर से माया राजेश त्रिवेदी और जोबट से सेना पटेल को टिकट दिया है।

तीसरे धड़े ने भी नहीं जताया महिलाओं पर भरोसा

टिकट वितरण में कांग्रेस और भाजपा के मुकाबले खड़े होने वाले तीसरे धड़े के दलों द्वारा घोषित प्रत्याशियों की सूची में महिलाओं को 10 प्रतिशत स्थान भी नहीं दिया गया है। बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी भी इससे अछूती नहीं है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के साथ गठबंधन कर 230 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही बहुजन समाजवादी पार्टी की बात करें तो घोषित किये गए 125 उम्मीदवारों में सिर्फ 7 सीटें इसने महिलाओं को दिया है। यह कुल संख्या का दस प्रतिशत भी नहीं है। समाजवादी पार्टी ने तीन चरणों में घोषित 33 प्रत्याशियों में मात्र 1.98 प्रतिशत महिलाओं को टिकट दिया है। इसने 5 स्थानों पर आधी आबादी को अवसर दिया है। इसमें मां-बेटी भी अलग-अलग सीटों से मैदान में हैं। समाजवादी पार्टी में हालत यह है कि एक तरफ यह महिलाओं को टिकट देकर दूसरे प्रत्याशी बदल देती है। सुमावली विधानसभा क्षेत्र उदाहरण के रूप में सामने आया है। यहां पहले मंजू सोलंकी को उम्मीदवार बनाया था। इसके कुछ दिन बाद इनके स्थान पर पुरुषोत्तम शर्मा के नाम की घोषणा कर दी गई। आम आदमी पार्टी ने मात्र 6 प्रत्याशियों को टिकट दिया है। यह मात्र 2.34 प्रतिशत है। इनमें गुना से भाजपा की पूर्व विधायक प्रियंका मीणा, चाचौड़ा से ममता मीणा और मानपुर से उषा कोल, सिरमौर से सरिता पांडेय, भांडेर से राममनि देवी जाटव, नरेला रईसा बेगम और दमोह से चाहतमणि पांडेय के नाम है। पार्टी ने एक टिकट थर्ड जेंडर को भी दिया है।

दशहरा उत्सव आज कॉलेज ग्राउंड में मनाया जाएगा

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थल अवलोकन किया

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मालवांचल का सबसे भव्य दशहरा उत्सव कॉलेज ग्राउंड में विजयदशमी पर्व मंगलवार को दशहरा उत्सव समिति के तत्वावधान में सायंकाल 6:30 बजे से आरंभ होगा। फतेहपुर सिकरी उत्तर प्रदेश के कुशल कारीगरों द्वारा रावण का 75 फिट और मेघनाथ व कुंभकरण के 41-41 फीट के पुतलों का निर्माण किया गया है।कोटा बूंदी की भव्य आतिशबाजी के नजारे रावण दहन के पूर्व यहां संपन्न होंगे। स्थानीय कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे। साथ ही उत्सव में हजारों की संख्या में उपस्थित जन्मेदिनी को विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान करने का आव्हान भी किया जाएगा।

आयोजन की भव्यता और अंचल के सर्वाधिक भीड़ भरे इस उत्सव को सुचारु रूप से संपन्न करने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं आयोजन समिति द्वारा की गई है। एक दिन पहले सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया एडिशनल एसपी गौतम सिंह सोलंकी, सीएसपी, सीएमओ नगरपालिका एवं लोक निर्माण विभाग अधिकारियों ने प्रशासनिक अमले के साथ कॉलेज ग्राउंड आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और समुचित और बेहतर व्यवस्थाओं को लेकर आयोजन समिति के पदाधिकारियो आवश्यक विचार विमर्श किया। इस दौरान समिति से जुड़े नरेंद्र अग्रवाल ने एसपी श्री सुजानिया व प्रशासनिक अधिकारियों को कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा और स्वरूप से अवगत कराया। इस दौरान यहां समिति के सचिव दिनेश नागर, नाहरु भाई, सुनील वैद्य ,चेतन जोशी, हेमंत अग्रवाल ,पंकज मित्तल , प्रांजल शर्मा अंकुश पालीवाल ,अनिल अग्रवाल, आशीष पालीवाल, बृजेश मारोठिया आदि भी मौजूद थे चूंकि नगर का यह सबसे भव्य उत्सव है जिसमें 50 हजार से भी अधिक जन्मेदिनी एकत्र होती हैं इस दृष्टि से सुविधा और सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए जा रहे हैं।

भाजपा नेता मालवीय 27 को करेंगे नामांकन दाखिल

पिपलियामंडी, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ विधान सभा से कांग्रेस ही नहीं भाजपा में भी चौथी बार जगदीश देवड़ा को टिकिट दिए जाने से कई भाजपाइयों में भी आक्रोश देखा जा रहा है। इसी के चलते मल्हारगढ विधान सभा के स्थानीय भाजपा नेता बसंती लाल मालवीय ने भी चुनाव लडने का बिगुल बजा दिया है वे 27 को अपने हजारों समर्थकों के साथ पिपलिया मंडी से 11 बजे नामांकन दाखिल करने हेतु प्रस्थान करेंगे। उल्लेखनीय है की इस सीट पर मालवी समाज से पूर्व में निहाल चंद मालवीय ,एवम शांतिलाल मालवीय भी अपनी दावेदारी जता चुके है। यहां तक की शांतिलाल मालवीय समर्थकों ने तो कैलाश विजयवर्गीय के सामने प्रत्यासी बदलने तक की बात कह दी थी। बताया जाता है की 225 में मालवी समाज का भी एक बडा वोट बैंक है। बावजूद भाजपा ने कभी भी इस और ध्यान नहीं दिया और चौथी बार फिर बुजुर्ग व्यक्ति जगदीश देवड़ा को प्रत्यासी बनाया है।

भगवान श्री महाकाल ने नए शहर में पूजा शमी वृक्ष , मंदिर पर चढ़ा नया ध्वज

उज्जैन, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पौराणिक मान्यता व राजसी परंपरा में विजय दशमी पर सर्वत्र विजय की कामना से नगर सीमान्लंघन स्थित शमी वृक्ष का पूजन किया जाता है। इसी के तहत सोमवार को विजयादशमी पर उज्जैन के राजा भगवान श्री महाकाल की सवारी दशहरा मैदान पहुंची। यहां पर शमी वृक्ष का पूजन किया गया।इससे पूर्व सुबह के समय परंपरानुसार मंदिर पर नया ध्वज चढाया गया।

वर्ष में एक बार विजयादशमी पर भगवान नए शहर फ्रीगंज स्थित दशहरा मैदान जाते हैं। सवारी को सीमान्लंघन सवारी कहा जाता है। महाकाल मंदिर में यह परंपरा इस बार सोमवार को निभाई गई। मंदिर समिति की जनसंपर्क अधिकारी गौरी जोशी ने बताया कि ग्वालियर पंचांग के अनुसार विजय दशमी सोमवार को महाकालेश्वर मंदिर से शाम 4 बजे भगवान महाकाल की सवारी निकली। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र बल की टुकडी ने अवंतिकानाथ को सलामी दी। सवारी कोटमोहल्ला, गुदरी चौराहा, पटनी बाजार, गोपाल मंदिर, सराफा, सतीगेट, नई सड़क, दौलतगंज, मालीपुरा, देवासगेट, चामुण्डा माता चौराहा से टॉवर के रास्ते पुराने कलेःटर बंगले के सामने से होती हुई दशहरा मैदान पहुंची। इस दौरान भगवान का नए शहर में पुष्पवर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया गया। सवारी के दशहरा मैदान पहुंचने पर कलेक्टर एवं मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कुमार पुरूषोत्तम ने भगवान महाकाल व शमी वृक्ष की पूजा अर्चना की। पूजन पश्चात सवारी फ्रीगंज ओवरब्रिज से संध्याराजे धर्मशाला, देवासगेट, मालीपुरा, दौलतगंज, तोपखाना होते हुए पुन: श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। महाकाल मंदिर में विजय दशमी पर संध्या आरती में भगवान महाकाल ने भक्तों को होलकर मुखारविंद में दर्शन दिए। संध्या पूजन के बाद भगवान का होलकर रूप में शृंगार किया गया। विजय दशमी पर महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर नया ध्वज चढ़ाने की परंपरा का भी विजयादशमी पर निर्वहन किया गया। सुबह आरती के बाद शिखर पर नया ध्वज चढ़ाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनितगिरिजी महाराज ने ध्वज का पूजन किया।

26, 28 और 30 अक्टूबर को चुनाव के नामांकन फार्म जमा करने का ये है शुभ मुहूर्त

जबलपुर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के लिए टिकट वितरण का कार्य पूरा होते ही अब प्रत्याशी शुभ मुहूर्त के इंतजार में ज्योतिषियों के पास फोन करने लगे हैं। चुनावी रण में फेल न हो जाएं इसलिए मुहूर्त का मेल मिलवाने में जुट गए हैं। सोमवार को नवरात्र पर्व की नवमीं है और इसी दिन पर्चा लेने और जमा करने का सबसे अच्छा मुहूर्त बताया जा रहा है, क्योंकि इस दिन राज पंचक का योग बन रहा है।

विधानसभा चुनाव लडने वाले प्रत्याशी अपना हर कार्य शुभ मुहूर्त और शुभ दिन में करना चाहते हैं। कार्यालय के उद्घाटन से लेकर नामांकन फार्म लेने तथा भरने का पूरा क्रम शुभ मुहूर्त में करना चाहते हैं। नामांकन की प्रक्रिया 21 अक्टूबर से शुरू हो गई है जो 30 अक्टूबर तक चलेगी। इस बीच चार शुभ मुहूर्त बन रहे हैं। राजपंचक की शुरुआत सोमवार 23 अक्टूबर को रात 02.23 बजे होगी और समापन शनिवार 28 अक्टूबर को सुबह 07.36 बजे होगा। इसके बाद 29 अक्टूबर से कृष्ण पक्ष शुरु हो जाएगा। सोमवार को शुरू होने वाला पंचक राज पंचक कहलाता है। ये पंचक शुभ माना जाता है। इसके प्रभाव से इन पांच दिनों में सरकारी कामों में सफलता मिलती है। राज पंचक में संपत्ति से जुड़े काम करना भी शुभ रहता है।

चंद्र स्थान का रखना होगा ध्यान- राजनेताओं को अपनी कुंडली के अनुसार चंद्रमा की स्थिति का अध्ययन कराकर नामांकन पत्र दाखिल करना चाहिए जिससे शुभ मुहूर्त शुभ लग्न और चौघडिया में यह शुभ कार्य संपादित हो सके।

कब-कब है शुभ मुहूर्त- ✲ 23 अक्टूबर- सुबह 10:27 से 12:32 शुभ लग्न एवं चौघडिया। 12:32 दोपहर से 3:48 दोपहर। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से 3:48 दोपहर तक। ✲ 26 अक्टूबर-सुबह 10:16 से 12:27 शुभ लग्न एवं चौघडिया। 1:24 दोपहर से 3:52 दोपहर। ✲ 28 अक्टूबर- सुबह 8:12 से 12:36 दोपहर। दोपहर 12:36 से 3:52 तक। चंद्र ग्रहण का सूतक काल शाम 4:05 बजे से प्रारंभ होगा अत: सूतक के पूर्व शुभ लग्न एवं चौघडिया का ध्यान रखें। ✲ 30 अक्टूबर-सुबह 10:18 से 2:25 दोपहर तक।

कार्यकर्ता सम्मेलन 26 को

मनासा, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व गृहमंत्री कैलाश चावला (पूर्व विधायक)के मार्गदर्शन में, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजेंद्रसिंह मालाहेड़ा(पूर्व विधायक), जिला महामंत्री राजेश लद्धा,जिला उपाध्यक्ष बंशीलाल राठौर, पुष्कर झवर, पूर्व विधानसभा प्रभारी सुनिल यजुर्वेदी, बंशीलाल गुर्जर पूर्व मंडी अध्यक्ष, दिनेश परिहार पूर्व जिला पंचायत सदस्य, केजी पाटीदार जिला मंत्री के साथ 26 अक्टूबर 2023,गुरुवार , समय दोपहर 02 बजे से स्थान-पटवा मांगलिक भवन कुकडेश्वर में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है,जिसमे सभी देवतुल्य कार्यकर्ता आमंत्रित है। सम्मेलन में लोकमत अनुरूप प्रत्याक्षी चयन नहीं किए जाने के विरुद्ध कार्यकर्ताओं के सम्मान में संयुक्त लड़ाई लड़ी जाएगी।

नपा ने मां अम्बे की मूर्तियों के विसर्जन की व्यवस्था की

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नपा परिषद मंदसौर के द्वारा नवरात्रि पर्व में मॉ अम्बे की जो मूर्तिया नगर के विभिन्न गरबा पाण्डालो एवं लोगो के घरो में स्थापित की गयी थी। उनके विसर्जन की पुरी व्यवस्थाओं की गयी है। नपा परिषद ने मॉ अम्बे की मूर्तियो के सग्रहण के लिये चार स्थान बनाये गये है तथा एमआईटी कॉलेज चौराहे पर ग्राम दौलतपुरा की खदान स्थल पर मूर्तिया के विसर्जन के लिये पुरी व्यवस्था सुनिश्चित की है। राष्थ्रि हरित प्राधिकरण नेशनल ग्रीन टिब्युनल के दिशा निर्देश के अनुरूप नपा ने मूर्तियो के कारण नदी तालाबो प्रदुषण नही हो इसके लिये प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मूर्तियो के विसर्जन के लिये पुरी व्यवस्था सुनिश्चित की है। इन्ही व्यवस्थाओं को देखने के लिये कल सोमवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने जिला गरबा मण्डल अध्यक्ष श्री हिम्मत डांगी व

समाजसेवी राजेश गुर्जर अनिल संगवानी के साथ मॉ अम्बे की मूर्तियो के संग्रहण के लिये बनाये गय केन्द्रो व मूर्ति विसर्जन स्थल का निरिक्षण किया। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने सर्वप्रथम एमआईटी कॉलेज चौराहे के समीप स्थित ग्राम दौलतपुरा की खदान स्थल का निरीक्षण किया तथा मौके पर उपस्थित नपा कर्मचारियो को मूर्तियो का विसर्जन पुरे धार्मिक रिती रिवाज से करने के निर्देश दिये। इसके बाद नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व गरबा मण्डल अध्यक्ष श्री डांगी ने तैलिया तालाब पिकनिक स्पाट मुक्तिधाम क्षैत्र व पशुपतिनाथ मंदिर के यहां बने दो केन्द्रो को देखाा तथा मौके पर उपस्थित नपा कर्मचारियो से आवश्यक चर्चा की। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने नपा कर्मियो को कहा कि वे मूर्तिया को पुरे सम्मान से विजर्सन स्थल तक पहुँचाये।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने कहा कि नपा परिषद ने मूर्ति संग्रहण के लिये चार केन्द्र व विसर्जन के लिये एक स्थान तक पुरी सुविधा उपलब्ध करायी है। श्री डांगी ने नपा की व्यवस्थाओ के प्रति संतोष व्यक्त किया और कहा कि नपा ने जो व्यवस्थाये की है इससे मूर्तियो का विसर्जन पुरे सम्मान के साथ हो रहा है।

श्री राधाकृष्ण ग्रुप कर रहा विगत 15 वर्षो से गरबों का आयोजन

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की सामाजिक और धार्मिक संस्था श्री राधाकृष्ण ग्रुप द्वारा विगत 15 वर्षो से लगातार गरबा का आयोजन मंदसौर की

धरा पर विभिन्न स्थानों पर किया गया है। वर्ष 2019 में बाढ के विकट समय में पहली शहर के हृदय स्थल घंटाघर पर गरबा आयोजित करने का सौभाग्य श्री राधाकृष्ण ग्रुप को प्राप्त हुआ था जिसके बाद पुन: इस बार 2023 में श्री राधाकृष्ण ग्रुप द्वारा घंटाघर पर एक रात में इस आयोजन को खडा किया गया और परंपरा को जीवित रखा गया।

श्री राधाकृष्ण ग्रुप के संयोजक विश्वमोहन अग्रवाल ने बताया कि इस बार ग्रुप द्वारा घंटाधर पर गरबा का आयोजन किया गया है जिसमें काशी वाराणसी की गंगा आरती की तर्ज पर तीन विद्वान पंडितों द्वारा महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ चार प्रशिक्षित गरबा टीमों द्वारा प्रतिदिन गरबा किया गया। श्री राधाकृष्ण धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन करता है अपने मंच पर मंदसौर की स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर देकर मंच प्रदान करता है इस बार भी मंदसौर की कई स्थानीय प्रतिभाओ को मंच दिया गया। इस के साथ ही विक्षिप्त महिला आश्रम की महिलाओं द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम किया गया जिसमें विशेष संदेश दिया गया। नवरात्र के एक दिन बाल विवाह कुप्रथा को रोकने हेतु शपथ दिलाई गई। आयोजनों के दौरान रक्त चरित्र की विशेष प्रस्तुत भी दी गई वहीं पांच वर्षीय बालक द्वारा तबला वादन के साथ एक निजि स्कूल के छोटे बचों द्वारा आर्कषक प्रस्तुति दी गई। वहीं रविवार को महिषासुद मर्दिनी वध का आयोजन किया गया जिसमें बताया गया कि अंत में असत्य पर सत्य की विजय होती ही है। आयोजन के अंतिम दिवस सोमवार को राम रावण युद्ध का आयोजन किया गया। यह जानकारी घनश्याम खत्री द्वारा दी गई।

श्री सांई पब्लिक स्कूल के छात्रों ने राज्य स्तरीय बेसबाल प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। 67 वी स्कूल शालेय राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में श्री साई पब्लिक स्कूल दलौदा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्टप्रदर्शन किया। विद्यालय के छात्र दिव्यांश हकवाडिया(बालकवर्ग), छात्राएं अर्चना पाटीदार, दीपिका धाकड़ (बालिका वर्ग) ने 16 से 19 अक्तूबर तक मंदसौर मे आयोजित स्कूल शालेय राज्यस्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता मिनी वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। एवं छात्राएं राजेश्वरी व्यास (17 वर्ष) पूर्णिमा पाटीदार, उर्मिला मालवीय, अनुष्का ग्वाला(19 वर्ष) ने 4 से 8 अक्तूबर तक इंदौर मे आयोजित 67 वी राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय कोच सुश्री आरती चंद्रावत ने बताया कि उक्त प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों द्वारा उच्च स्तरीय प्रदर्शन किया गया एवं कांस्य एवं स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस अवसर पर संस्था संचालक श्री मोहसिन अख्तर, प्राचार्य श्री नरेंद्र सिंह सोलंकी एवं समस्त विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों एवं उनके परिवार को बधाई दी व हर्ष व्यक्त किया और उनके उज्ञवल भविष्य की कामना की।

स्कूल में मनाया दशहरा उत्सव

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के मध्य स्थित डेक्सटर ग्लोबल स्कूल में मनाया गया दशहरा उत्सव जिसमे रावण के 10 फीट के पुतले का दहन किया गया। विद्यालय की शिक्षिका मधुबाला टांक सर्वप्रथम बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश विद्यार्थियों को दिया उसके पश्चात पुतले का दहन किया गया।

सकल जैन समाज ने रोटरी आहार केन्द्र में भोजन की राशि भेंट की

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री गौतमुनिजी म.सा. की प्रेरणा से श्री लक्ष्मीलाल सूरजबाई मारू पारमार्थिक ट्रस्ट मंदसौर के तत्वावधान में व सकल जैन समाज मंदसौर के सानिध्य में 22 से 27 अक्टूबर 2023 तक स्व. लक्ष्मीलालजी मारू की 19वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मारू परिवार द्वारा आयोजित सेवा प्रकल्प कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। सेवा प्रकल्प का शुभारंभ रोटरी आहार केन्द्र जिला चिकित्सालय में 621 पैकेट भोजन की

राशि भेंट की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सकल जैन समाज संयोजक सुरेन्द्र लोढ़ा ने कहा कि दरिद्र नारायण की सेवा सची सेवा है, रोटरी का यह प्रोजेक्ट अनुकरणीय है। प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र मेहता ने देते हुए रोटरी क्लब एवं मारू परिवार के सेवा कार्य की सराहना की। सकल जैन समाज उपसंयोजक अशोक मारू ने कहा कि प्रतिवर्ष यह कार्य स्व. लक्ष्मीलालजी मारू की स्मृति में किये जाते है। इस वर्ष भी 6 दिवसीय सेवा प्रकल्प आयोजित हो रहे है।

मेहंदी प्रतियोगिता के माध्यम से किया मतदाताओं को जागरूक

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत गांव गांव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है तथा महिलाएं हाथों में मेहंदी

लगाकर मतदाताओं को जागरूक कर रही हैं। संदेश के रूप में हम सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख रही है। यह कार्य महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य में मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रूचि ली जा रही है। साथ ही सभी लोग आपस में जागृत हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं।

दशहरा पर्व विशेष...

अपने मन में
श्री राम जगाए
हर साल हम
रावण जलाते
अगले साल फिर
पैदा हो जाते
रह जाता है
रावण अंश
मिटता नहीं
राक्षस वंश
रावण के साथ
रावणांश जलाए
अपने मन में
श्री राम जगाएं।

नन्दकिशोर राठौर, मंदसौर

श्री जांगड़ा पोरवाल समाज महिला मंडल ने गरबा कर मतदान हेतु प्रेरित किया

मंदसौर, 23 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री जांगड़ा पोरवाल समाज महिला मंडल द्वारा नवरात्रि की अष्मी पर देवी दुर्गा की आराधना के साथ गरबे का भव्य आयोजन रखा गया।

महिला मंडल अध्यक्ष कुसुम सेठिया ने बताया कि आयोजन के दौरान पारम्परिक गरबे,बच्चों के विशेष गरबे, डांडिया रास, कपल गरबे के साथ मटकी गरबा, दीपक गरबा,छतरी संग गरबा जैसी एक से बढ कर एक प्रस्तुतियों ने दर्शको का मन मोह लिया ।साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांति पूर्ण मतदान की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए ,निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करे व शत - प्रतिशत मतदान हो इसके लिए महिला मंडल द्वारा गीत लोकतंत्र का पावनतम त्यौहार आ गया है, जन गण मन की नींव का आधार आ गया है ।चलो सब साथ

चलेंगे, अपना मतदान करेंगे । पर आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी जिसमें 'छोडो अपने सारे काम- पहले चलो करे मतदान', 'सोच समझकर करे मतदान- जो दागी हो उसको ना वोट करे', 'जाएं वोट डालने जाएं- अपना वोट काम में लाए', 'वोट डालने जाना है-अपना फर्ज निभाना है ', 'वोट हमारा है अनमोल- कभी न लेंगे इसका मोल, 'मत देना अपना अधिकार-बदले में न ले उपहार ', 'वोट करे वफादारी से-चयन करे समझदारी से ','देश के विकास में दे अपना योगदान-हर हाल में करना अपना मतदान ', 'चुनाव जागरूकता का अभियान चलाओ, लोगों को मतदान के लिए जागरूक बनाओ ', 'देश के विकास का लो संकल्प, चुनाव में मतदान कर चुनों सही विकल्प ',जैसे स्लोगन वाली पट्टीकाए महिलाओं के हाथों में थी ।साथ ही उपस्थित समाज जनों को शपथ दिलाई गई की सभी अपने मत का सदुपयोग करेंगे और मतदान अवश्य करेंगे। जय जय संतोष माता जय जय माँ गीत पर महिलाओं द्वारा दीपक हाथों में लेकर मॉ की आरती की गई। कार्यक्रम के अंत में सम्मिलित सभी समाज जनों ने मॉ दुर्गा को खिचडी का भोग लगाया और प्रसाद वितरित किया गया ।

इस अवसर पर मार्गदर्शक मंडल गीता धनोतिया, गीता पोरवाल, निर्मला मांदलिया, संतोष फरक्या, किरण मांदलिया अध्यक्ष कुसुम सेठिया,नपा सभापति शांति फरक्या, मिडिया प्रभारी प्रिया फरक्या, मनीषा गुप्ता, ममता रत्नावत,आशा सेठिया, सुधा फरक्या,साधना मांदलिया, संगीता मांदलिया,किरण पोरवाल, सुशीला घाटिया, प्रीतिबाला गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, माला मोदी, हंसा डबकरा, प्रीति मांदलिया, गायत्री मांदलिया, शालू काला, कल्पना रत्नावत, सारिका रत्नावत, सुमित्रा सेठिया, रानू सेठिया,संतोष मांदलिया, अनिता काला, विद्या गुप्ता, अलका मुजावदिया, अलका गुप्ता, ममता मांदलिया, पल्लवी मेहता, सुजाता सेठिया, सीमा उदिया, साधना गुप्ता, पार्वती मंडवारिया, सुनीता डपकरा, संगीता फरक्या, कविता गुप्ता, इंदु फरक्या, लीला मंडवारिया, रेखा पोरवाल, शकुन्तला फरक्या,ममता सेठिया, मधु सेठिया, अनिता चौधरी, गुणमाला धनोतिया, ममता मोदी, अर्चना मुजावदिया, ममता मुजावदिया, सीमा पोरवाल, वंदना डबकरा,सरिता गुप्ता ,रेखा गुप्ता, सरिता मांदलिया,उमा गुप्ता, अंजु उदिया, विद्या घाटिया,आशा पोरवाल, मनीषा सेठिया, उषा पोरवाल, शकुन्तला मोदी, सुशीला मोदी, आशा घाटिया, पूजा गुप्ता,किरण घाटिया मधु पोरवाल के साथ समाज के कई पुरुषि महिलाएं ,व बच्चे उपस्थित थे ।कार्यक्रम का सफल संचालन प्रमिला संघवी, हेमलता गुप्ता व निधि गुप्ता ने किया ।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक LIG C-41 श्री बद्रीलाल सांवलिया पिता श्री धूलचंद सांवलिया को वर्ष 1988 में आवंटित हुआ था। भवन का विक्रय विलेख दिनाक 25.05.2006 उप पंजीयक कार्यालय में निष्पादित किया गया था। श्री बद्रीलाल सांवलिया पिता श्री धूलचंद सांवलिया द्वारा उक्त भवन का विक्रय पत्र श्रीमती नीलम मोटवानी पति श्री लोकेश मोटवानी के पक्ष में दिनाक 23.02.2013 को पंजीयन कराया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर भवन का नामांतरण श्रीमती नीलम मोटवानी पति श्री लोकेश मोटवानी अपने नाम पर करवाना चाहती है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामांतरण श्रीमती नीलम मोटवानी पति श्री लोकेश मोटवानी के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in